Marking Scheme
Strictly Confidential
(For Internal and Restricted use only)
Senior School Certificate Examination, 2025
SUBJECT NAME SANSKRIT CORE (322) (Q.P. CODE 22)

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।

6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। यदि मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, तो यह आभास होगा कि उत्तर सही है लेकिन अंक नहीं दिए गये हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली <u>60</u> (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ: ● उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।

15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है,तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने “एनए” (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

कृपया ध्यान दीजिएः

1. कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं। इस अङ्क योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अङ्क दिए जाएँ।

2. अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं, इसके लिए भी अङ्क दिए जाएँ। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अङ्क काटे जाएँ, संपूर्ण नहीं ।

3. त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा अशुद्ध व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अङ्क काटे जाएँ न कि पूरे अङ्क ।

4. आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अङ्क अवश्य दिए जाएँ।

5. खण्ड "ख" मे (रचनात्मकं कार्यम्) के अंतर्गत विषयप्रतिपादन और वाक्य संरचना प्रमुख है, न कि वाक्य का सौंदर्य-तत्त्व । आंशिक वाक्य-शुद्धता के लिए भी अङ्क दिए जाएँ।

6. जिन प्रश्नों में बच्चों को उत्तर लिखने के लिए अतिरिक्त प्रश्न दिए गए है, वहाँ किसी भी क्रम में प्रश्नों के सही उत्तर लिखने पर अङ्क दिए जाएँ। जैसेः- दिए गए 3 प्रश्नों में से किन्हीं भी 2 सही उत्तरों पर अङ्क दिए जाएँ चाहे 3 में से पहला उत्तर गलत ही हो, अन्तिम दो प्रश्नों को सही माना जाए।

Set 4 >

MARKING SCHEME
SANSKRIT CORE

---

1. अपठितांश-अवबोधनम् *10 अङ्काः*

(अ) **एकपदेन उत्तरत- केवलं प्रश्नद्वयम्** *2×1=2*

(i) आतंकवाद-समस्या
(ii) आतंकवादिनः
(iii) स्वदेशस्य

(आ) **पूर्णवाक्येन उत्तरत - केवलं प्रश्नद्वयम्** *2×2=4*

(i) सैनिकानां भार्याः आशङ्किताः भवन्ति यत् न जाने कदा तासां पतिः संघर्षे वीरगतिं प्राप्नुयात्।

(ii) केचन अपरिपक्वबुद्धयः युवकाः प्रतिवेशिदेशस्य मिथ्याप्रचारैः भ्रान्ताः सन्तः हिंसामार्गम् अनुगच्छन्ति।

(iii) हिंसामाध्यमेन न कस्याः अपि समस्यायाः समाधानं प्राप्तुं शक्यते इति प्रधानमन्त्रिणा मुहुः मुहुः कथ्यते।

(इ) आतंकवाद-समस्या / आतंकवादः *1×1=1*

अन्ये अपि शीर्षकाः भवितुं शक्नुवन्ति।

(ई) **निर्देशानुसारमुत्तरत - केवलं प्रश्नत्रयम्** *3×1=3*

(i) (B) व्यापादयन्ति
(ii) (A) शान्तिप्रिये
(iii) (C) पाकिस्तानदेशेन
(iv) (D) मुहुः मुहुः

2. पत्रे रिक्तस्थानपूर्तिः - *10× 1/2=5*

(i) **श्रुते!** (ii) **कुशलम्** (iii) **विद्यालयस्य** (iv) **विरचितस्य**

(v) **मञ्चनम्** (vi) **भूमिकाम्** (vii) **पूर्वाभ्यासः** (viii) **आनन्दम्**

(ix) **आगन्तव्यम्** (x) **स्वप्ना**

3. (क)छात्राः चित्रं दृष्ट्वा वाक्यानि लेखिष्यन्ति। (पञ्चवाक्यानि) *5× 1=5*

अथवा

(ख)प्रदत्तविषये संस्कृतेन **अनुच्छेदं** लेखिष्यन्ति।(पञ्चवाक्यमितम्) *5× 1=5*

4. (क) कथायां रिक्तस्थानपूर्तिः - *10× 1/2=5*

(i) वैद्यः **(ii)** कीर्तिः **(iii)** द्वौ **(iv)** दत्वा **(v)** आनेतव्यम् **(vi)** करिष्यामि

(vii) निर्माय (viii) दृष्टः (ix) रसायननिर्माणार्थम् (x) परीक्षायै

अथवा

(ख) **संवादे रिक्तस्थानपूर्तिः** *-5× 1=5*

(i) अस्माकं देशस्य प्राचीनं नाम आर्यावर्तः आसीत्।

(ii) आर्यशब्दस्य अर्थः श्रेष्ठः भवति ।

(iii) राज्ञः भरतस्य नाम्ना भारतं नाम जातम्।

(iv) अपरः भरतः महाराज-दशरथस्य पुत्रः आसीत्।

(v) रामेण सह लक्ष्मणः वनं गतवान् ।

5. सन्धिः सन्धिच्छेदः वा - केवलं प्रश्नचतुष्टयम् *4× 1=4*

(i) **आचार्यः/आचार्यो + अन्तेवासिनम्**

(ii) **पार्थिवस्यैव**

(iii) **मनुर्नाम**

(iv) शिवगणाः+तादृशाः

(v) जीवन्+अपि

(vi) इत्युक्त्वा

6. समासकार्यम् - केवलं प्रश्नचतुष्टयम् ***4× 1=4***

(i) **(A) न अवद्यानि**

(ii) (C) धैर्यस्य सागरः

(iii) (B) उरगक्षता

(iv) (C) उचितम् अनतिक्रम्य

(v) (A) पतिः च पत्नी च

(vi) (D) अल्पा बुद्धिः येषां ते

7. प्रकृति-प्रत्यय-संयोजनं वियोजनं वा - केवलं प्रश्नचतुष्टयम् ***4× 1=4***

(i) (A) शिक्ष् + शानच्

(ii) (A) वस् + तव्यत्

(iii) (B) प्र+सू+क्त

(iv) (D) पालनीय + टाप्

(v) (A) बलवान्

(vi) (B) वर्ष + ठक्

8. उपपदविभक्तिप्रयोगः - केवलं प्रश्नचतुष्टयम् ***4× 1=4***

(i) (A) धर्मात्

(ii) (C) अस्मान्

(iii) (C) तुभ्यम्

(iv) (B) सभायाम् / (D) सभाम्

(v (A) भोजनस्य

9. **वाच्यप्रयोगः - केवलं प्रश्नचतुष्टयम्** *4×1=4*

(i) **दुग्धम्**

(ii) गमिष्यते

(iii) गास्यसि

(iv) सोहनेन

(v) क्रीड्यते

10. **गद्यांशाधारितम् अवबोधनम् -**

(अ) **एकपदेन उत्तरत - केवलं प्रश्नद्वयम्** 2×1/2=1

(i) अन्तेवासिनम्

(ii) धर्मम्

(iii) स्वाध्यायात्

(आ) **पूर्णवाक्येन उत्तरत - केवलं प्रश्नद्वयम्** *2×1=2*

(i) वेदम् अनूच्य आचार्यः अन्तेवासिनम् अनुशास्ति ।

(ii) आचार्याय प्रियं धनम् आहृत्य प्रजातन्तुं मा व्यवच्छेत्सीः।

(iii) अतिथिः देवः भवति।

(इ) **निर्देशानुसारम् उत्तरत - केवलं प्रश्नद्वयम्** *2×1=2*

(i) अन्तेवासिनम्

(ii) अनुशास्ति

(iii) प्रियम्

11. पद्यांशाधारितम् अवबोधनम् -

(अ) एकपदेन उत्तरत - केवलं प्रश्नद्वयम् *2×1/2=1*

(i) अल्पज्ञः

(ii) मितप्रभाषी

(iii) नादम्

(आ) **पूर्णवाक्येन उत्तरत - केवलं प्रश्नद्वयम्** *2×1=2*

(i) अतितरां निनादं कांस्यं करोति।

(ii) पाण्डित्यसम्भृतमतिः मितप्रभाषी भवति।

(iii) अल्पज्ञः पुरुषः अजस्रं प्रलपति।

(इ) **निर्देशानुसारम् उत्तरत - केवलं प्रश्नद्वयम्** *2× 1=2*

(i) अल्पज्ञः

(ii) मितप्रभाषी

(iii) करोति

12. **नाट्यांशाधारितम् अवबोधनम्** -

(अ) एकपदेन उत्तरत - केवलं प्रश्नद्वयम् *2× 1/2= 1*

(i) सखीवचनम्

(ii) त्रिवर्गम्

(iii) भर्तुः

(आ) **पूर्णवाक्येन उत्तरत - केवलं प्रश्नद्वयम्** *2× 1=2*

(i) तदनु स्वयमेव कुलगुरुं पितरौ च सभाजयितुं गमिष्यावः।

(ii) तदापि सखीस्नेहः मां भाषयति यत् भर्त्रा सदैव ----- क्षयमेति।

(iii) लक्ष्म्याः रक्षार्थं पत्न्याः सहयोगः अनिवार्यः।

(इ) **निर्देशानुसारम् उत्तरत - केवलं प्रश्नद्वयम्** *2× 1=2*

(i) कुपात्रेषु

(ii) साधयतः

(iii) परस्परप्रीतिमतोः

13. (क) **भावार्थे रिक्तस्थानपूर्तिः -** *3× 1=3*

(i)सुपुत्रेण/सज्जनेन

(ii) सज्जनेन/सुपुत्रेण

(iii) चन्द्रेण

अथवा

(ख) **शुद्धभावार्थ-चयनम्** *3× 1=3*

(अ) (i) भोजनस्य मध्ये जलम् अमृततुल्यं तथा भोजनस्य अन्ते विषतुल्यं भवति।

(आ) (ii) अहं तव कठिनपरीक्षां कृतवान्।

(इ) (ii) ज्येष्ठ-पाण्डुपुत्रस्य ईदृशी एव विचारधारा।

14. अन्वये रिक्तस्थानपूर्तिः - **3×1=3**

(i) **धैर्यसागरः**

(ii) **क्षोभितः**

(iii) **शताकीर्णम्**

15. वाक्यमेलनम् - ***4× 1=4***

'क' स्तम्भः		***'ख' स्तम्भः***	
i.	त्रिविधं नरकस्येदं	4.	द्वारं नाशनमात्मनः ।
ii.	भरतो वा भवेद् राजा	1.	वयं वा ननु तत् समम्।
iii.	स पिता पितरस्तासां	2.	केवलं जन्महेतवः ।
iv.	पिको वसन्तस्य गुणं न वायसः	3.	करी च सिंहस्य बलं न मूषकः।

अथवा

प्रसङ्गानुसारं शुद्धार्थचयनम् - ***4× 1=4***

(i) मारितः

(ii) वदसि

(iii) पृथ्वी

(iv)अल्पभाषिणाम्

16. प्रश्नान् उत्तरत - केवलं प्रश्नत्रयम् ***3× 1=3***

(i) **तैत्तिरीयोपनिषदः**

(ii) महाकविः भासः
(iii) पं.अम्बिकादत्त-व्यासः
(iv) नैकेनापि समं गता वसुमती

17. रिक्तस्थानपूर्तिः - केवलं प्रश्नत्रयम् ***3× 1=3***

(i) **पदलालित्यम्**

(ii) **पद्यकाव्यम्**

(iii) **कादम्बरी**

(iv) **गद्यपद्यमयम्**

18. समुचितं मेलयत - ***4× 1=4***

i.	नाटकस्य प्रारम्भे	3.	नान्दी
ii.	हास्योत्पादकः	1.	विदूषकः
iii.	काव्येषु	4.	नाटकं रम्यम्
iv.	रूपकस्य भेदाः	2.	दश